



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



### Cadaver Organ Donor

**Lt. Jayeshbhai Thakorbhai Prajapati**

**Donated His: Lungs, Kidney, Liver & Corneas**

**Date:- 23/03/2023**

**DONATE LIFE™**  
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## एक दिन में दो ब्रेनडेर्ड लोगों का अंगदान, फेफड़, लिवर, किडनी व नेत्रदान ने 10 लोगों को दी नई जिंदगी परिवार ने अंगदान का फैसला किया, दूसरों के जीवन में उजाला हो गया

लोकतंज संवाददाता

सूरत। डोनेट लाइफ ऑफ सूरत द्वारा अंकलेश्वर के श्रीमती जयाबेन मोदी अस्पताल और सूरत के किरण अस्पताल से एक ही दिन में दो ब्रेनडेर्ड लोगों का अंगदान किया गया। जिससे 10 लोगों को नया जीवन मिला है।

डोनेट लाइफ के माध्यम से प्रजापति समाज के ब्रेन डेर्ड जयेश ठाकोरभाई प्रजापति उम्र 42 के परिवार के सदस्यों ने जयेशभाई के केफड़, लिवर, किडनी और आंखें तथा लेत्वा पटेल समाज के ब्रेन डेर्ड सतीशभाई भोगीलाल पटेल उम्र 56 के परिवार ने सतीशभाई का लिवर, किडनी और आंखें डोनेट कर 10 लोगों को नया जीवन दिया और समाज को एक नई दिशा दिखाई।

टेक्स्टाइल और डायमंड सिटी के नाम से मशहूर सूरत अब देश में ऑर्गन डोनर सिटी के तौर पर मशहूर हो रही है। मांडवी के निवासी जयेश प्रजापति मांडवी में भारी वाहन के मिकेनिक का काम करते थे। 21 मार्च को जयेश अपने दोस्तों के साथ सागवारा में देवमोगरा माता मंदिर देखने गए थे। दर्शन करने के बाद जयेश अपने दोस्तों के साथ मंदिर के पास झोपड़ी में खाना खाने चला गया। जयेश लघुशंसक के लिए झोपड़ी के पीछे वाली खुली जगह पर चला गया। वहां गलती से उसका पैर फिसल गया और वह 10/12 फूट नीचे गिर गया और सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोश हो गया। जयेश डेडियापाडा के



निदान के लिए सीटी स्कैन पर ब्रेन हेमरेज का पता चला था। चिकित्सकों ने जयेशभाई को ब्रेन डेर्ड घोषित किया। डोनेट लाइफ भरुच टीम के सदस्य संजयभाई तलाती और जयेश की बुआ के बेटे दर्शनभाई ने डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष नीलेश मंडलेवाला से टेलीफोन पर संपर्क किया। अंगदान की प्रक्रिया समजाने के बाद परिवार के सदस्यों ने अंगदान की सहमति दी। एक अन्य घटना में हादसे में एक युवक गंभीर रूप से शायल हो गया। बी-2,104 अक्षरधाम कॉम्प्लेक्स, छपराभाठा रोड, अमरोली में रहने वाले और कटारगाम जीआईडीसी में बुनाई विभाग में पर्यवेक्षक के रूप में काम करने वाले सतीशभाई 21 मार्च को दोपहर 1.30 बजे अपनी

चोट लगने से बेहोश हो गया। उसे तुरंत सूरत के किरण अस्पताल के डॉ. न्यूरोसर्जन के पास रेफर किया गया।

भौमिक को टाकोर के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। डायग्नोस्टिक सीटी स्कैन से ब्रेन हेमरेज का पता चला। चिकित्सकों ने सतीशभाई को ब्रेन डेर्ड घोषित कर दिया। किरण अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने डोनेट लाइफ के संस्थापक अध्यक्ष नीलेश मंडलेवाला से संपर्क किया। सतीशभाई के परिवार के सदस्यों को अंग दान और पूरी प्रक्रिया के महत्व को समझाने के बाद सहमति मिली। एक दिन में दो ब्रेनडेर्ड लोगों के अंगदान से दस जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिला।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर्ड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

**अंगदान** • जयाबेन मोदी अस्पताल, अंकलेश्वर और किरण अस्पताल, सूरत ने डोनेट लाइफ संस्था के माध्यम से दो और अंगदान कराए

## दो ब्रेनडेड के अंगदान से दस लोगों को मिला नया जीवन, 200 मिनट में सूरत से हैदराबाद लंग्स पहुंचाकर किए जयपुर की महिला में ट्रांसप्लांट

हेल्प रिपोर्टर सुरत

सूरत में एक बार पिर अंगदान हुआ है। इस बार एक साथ दो ब्रेनडेड के अंगदान से 10 लोगों को नया जीवन मिला है। जानकारी के अनुसार जयाबेन मोदी अस्पताल, अंकलेश्वर और किरण अस्पताल, सूरत ने डोनेट लाइफ संस्था के माध्यम से और दो अंगदान कराए हैं।

जिम्मे लेख, 4 किडनी, 2 लीवर और 4 कार्निया दान किए गए हैं। ज्ञानाति स्पाइर के 42 लीवर और जयेश टकोरेहाई प्रजापति के परिवार ने जयेश भाई के लिए,

लीवर, किडनी और आँखों का दान किया, ब्रह्मी लेवल फैल स्पाइर के 56 वर्षीय स्तरीय भाई भोगीलाल भैया के परिवार ने स्वतंत्र भाई के लीवर, किडनी और आँखों का दान के माध्यम से 10 व्यक्तियों को नया जीवन देकर भाग्यता की मिसावल कायम ली है।

अंकलेश्वर से फेफड़े सदक मार्ग से फहले सूरत लेकर आए। सूरत एस्परोर्ट से लगातार मार्ग से हैदराबाद के किस्म हास्पिटल तक 946 किमी दूरी 200 मिनट में तय कर राजस्थान के जयपुर निवासी 34 वर्षीय महिला के परिवार ने जयेश भाई के लिए,

डोनेट लाइफ संस्था ने दोनों मरीजों के परिवारों को अंगदान के महत्व के विषय में पूरी जानकारी देकर सहमति ली।

मोटा कुम्भवाल मांडवी निवासी जयेश भाई मरीजों हैं जो वाहन मैर्केट के रूप में काम करते थे। 21 मार्च को जयेश अपने दोस्तों के साथ सामाजिक में मोजूद देवोगांग माल के भौदर दरबन के लिए निकले थे। दरबन करने के बाद जयेश अपने दोस्तों के साथ घोटी के बास ड्रोपडे में चढ़ा। बाथरूम जाते समय अचानक उनका पैर फिल्स जाने से क्ल-10-12 फैल नीचे गिर गया। जिससे उनके पैर गोपीर चढ़े लग गये थे। लगातार जैविक डॉक्टर द्वारा जाते रहे उनकी जानकारी ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। उसके बाद 22 मार्च को परिवार ने अंगदान की इच्छा लावत की। डोनेट लाइफ की टीम ने प्रक्रिया पूरी की।



**बाइक फिराल गई थी।** अमरेली में छापराभाग के अंकलेश्वर कॉम्प्लेक्स में स्लन बाले और कलतानग जोआइंडोमी में संचा खाल में सुपरवाइजर का काम करने वाले स्तरीय भाई 21 मार्च को यह जा रहे थे। बाइक फिराप होने से सिर पर नींवी चट आई। अस्पताल में स्टीटी स्कैन करने पर बेन हैमरेज होने की जानकारी मिली। उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया गया। 22 मार्च को डोनेट लाइफ को इसकी जानकारी मिली और उन्होंने मरीज भाई के परिवार को अंगदान के चारे में समझाकर उनको सहमति ली।

कतारागाम में मोटरसाइकिल फिल्सलने और अंकलेश्वर में गिरने से घायल हुए व्यक्तिको चिकित्सकों ने ब्रेनडेड घोषित किया।

## दो ब्रेनडेड मरीजों के अंगदान से 10 लोगों को मिला नया जीवन

पत्रिका  
स्पूनर  
एगल  
परिवर्तन न्यूज़ नेटवर्क  
पत्रिका.com

सूरत ज़रूर के कतारागाम में ब्रेनडेड घोषित फिल्सलने से घायल हुए एक व्यक्ति के ब्रेनडेड घोषित होने पर अंगदान किया। यहीं, अंकलेश्वर के जयाबेन घोटी अपायपान में भी एक व्यक्ति घोषित के ब्रेनडेड होने पर अंगदान किया। अंगदान के दो मरीजों में फेफड़े, लीवर, किडनी और चुप्पों के दान में कुल 10 जारी की जयेश घोषित किया गया। स्पैनिश को चिकित्सा अस्पताल में भर्ती कराया गया।



सातील घोषित घोट (बाएं) और ज्योति दावोद चुप्पों के परिवारों ने जीवा अस्पताल का दिया।

काम्पोलेस निवासी घोटे पटों जाते हैं बैन हैमरेज की घुट्ट हुई। कुम्भवाल निवासी जयेश भाई के 56 काम्पोलेस में निवासियों ने 22 मार्च को उन्हें चारबाजार में सुपरवाइजर थे। वे 21 ब्रेनडेड घोषित किया। डोनेट लाइफ टीम ने डोनेट लाइफ को अंगदान के लिए समर्पित दानों के साथ देखाया। जयेश को जयाबेन घोटी अपायपान घोट में लाए। चौथी लेवल दानों के साथ देखाया जाना चाहिए। दोस्तों के बाद दरबन के लिए एक दान दोस्तों द्वारा देखा जाने गए। तभी परिवार से अंगदान की सहमती प्रियंका लापुराका करने के दौरान परि-

सूरत और दृष्टिण गुजरात से अंगदान से अब तक 1010 लोग हुए लाभान्वित।

गोलकोट है कि सूरत और दृष्टिण गुजरात से डोनेट लाइफ ने आज तक कुल 1102 अर्थी और दिया का दान थे। 458 फिल्सी, 196 लीवर, 8 पैदानीयों, 45 लीवर, 32 लेवल, 4 हाथ और 358 चुप्पों के दान दो दिया दिया गया। जारीकी दो फिल्सी अंकलेश्वर के अपायपान में, एक फिल्सी का घोटाला घोटाल अमरेली अपायपान में डोनेट लाइफ द्वारा दिया गया। फेफड़े की दैवती अंकलेश्वर के फिल्सी अंकलेश्वर जयाबेन में भर्ती कराया गया।

अंकलेश्वर के जयाबेन अपायपान, घोट और दृष्टिण निवासी अंकलेश्वर में डोनेट लाइफ द्वारा दिया गया। फेफड़े की दैवती अंकलेश्वर के फिल्सी अंकलेश्वर जयाबेन में भर्ती कराया गया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

एक ही दिन में दो ब्रेन डेड त्यक्तियों के अंगदान से दस लोगों को नया जीवन मिला : निलेश मांडलेवाला

डोनेट लाइफ द्वारा फेफड़े के दान कि 16वीं घटना, प्रजापति समाज के ब्रेन डेड जयेश ठाकोरभाई प्रजापति व सतीशभाई भोगीलाल पटेल के परिवार ने लोगों को नई जिंदगी दी और समाज को नई दिशा दिखाई

असाम विद्यालय

में जैसे लोगों का अनुभव विभिन्न होता है, उसी तरह इन दोनों विधियों का अनुभव भी विभिन्न हो सकता है। अपनी विधि का अनुभव करने वाले लोगों में एक विशेष ग्रुप निर्माण हो सकता है। ऐसे लोगों को अपनी विधि का अनुभव करने के बाद उनकी जीवन की अवधि और उनकी जीवन की अवधि दोनों में विभिन्नता हो सकती है। अपनी विधि का अनुभव करने वाले लोगों में एक विशेष ग्रुप निर्माण हो सकता है। ऐसे लोगों को अपनी विधि का अनुभव करने के बाद उनकी जीवन की अवधि और उनकी जीवन की अवधि दोनों में विभिन्नता हो सकती है।

मार पितामोरी के अंत का कान छड़ गया विवरण दीवानों के एक नाम लिखने लगे हैं। मोनाम और जाराम

पर उसीने को पिला नहा तीन  
उसके बाद वह अपने घर आया।  
वह अपने घर में रहा। वह अपने घर में रहा।  
वह अपने घर में रहा। वह अपने घर में रहा।  
वह अपने घर में रहा। वह अपने घर में रहा।

100

સુરતના બ્રેઇન કેડ યુવાનના અંગદાનથી ચાર દર્દીઓને નવજીવન મળ્યું

मृदुला, २ व अंगदाले  
सीधी भोड़ अवस्था करके छे,  
अंगदालनी ऐस यद्यपि  
संस्कृती उच्चारण बोया भाष्टी  
असमा अज्ञा प्रश्नापि धूलन १३  
क्षमा वह परिदृश देखा अंगदाला  
मही अन्न साक्षात् न अप्तु  
अप्याप्ता महात्मा निरुप वीरा  
हन, जयंत्र प्रख्यापिता  
अंगदालनी जोड़, डिगी, बंडा  
तेज शर्प द्विरुद्ध दृष्टि अप्याप्ता

दृष्टव्यावृत्ति अपि अनुभवान् ता  
मर्त्तस्तु परिष्कृतं वस्त्रं देवान् वा-  
ति । कै. अति ज्ञेम् अन्त-  
परिष्कृतो शीघ्रो त्रिपक्षितान्  
मात्रादानी भृत्यां वास्त्रं अनुभवो  
अभ्यां त्वा अप्यवस्थान् आप्नो  
परिष्कृतान् अल्पो प्रकाशा साध-  
याति । कै. वृष्टिपूर्वका दावा  
स्त्रं अप्यकार्यं प्रत्येकं अनुभवु-  
शक्तो अपि अनुभवानी  
भृत्यां पृथुं कर्त्तव्यं वस्त्रं वा-

परिवारकरणने विद्युतवाहां  
अवाहन करा.  
तुरत इलाजना भारती जग  
ना उत्तराखण्ड प्रभावमुक्त मानपति  
उम्मीद उठाए इर बध के अने पाल  
पिक्किनी विकेंद्र व्यापारना लै।  
जगेश प्रभावतनु अंडो चौथनी  
लौहिती विद्युतवाहां भारती  
प्रयोग के अपेक्षामुक्त तजोतरना  
देवेश्वरना भारताना देश भार  
या बहा आई तुरत इतरयों पर।

ਉਸਨੇ ਪਲੋਂ ਦੀ ਸੰਖੀ ਅਤੇ ਆਵਾਜ਼ਾਂ ਨੇ  
ਉਪਾਂਕਿਆਂ ਵਾਲਾ ਹਾਲਾਂ ਵਿਚ  
ਉਪਾਂਕਿਆਂ ਵਾਲੇ ਦੇ 22 ਧਰ  
ਵਿਚ ਜਾਗਮਾਂ ਅਤੇ ਜਾਗੁਣਾ ਵਿਲੋਂ  
ਜੇ ਭੀ ਰਾਹ ਵਾਲਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਵਿਚਾਰਾਂ  
ਵੱਡੇ ਹਾਥਾਂ ਦੇ ਮੁੜਾਂ ਦੀ ਚਲਾਂ  
ਮੁਲਕ ਮੌਜੂਦਾ ਪਾਇਆਂਦਿਆਂ  
ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਣੀਆਂ ਵਿਚਿਆਂ  
ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਾ ਕਿਸ਼ਾਂਕਾ ਅਤੇ ਜਾਗੁਣਾ  
ਲਾਗੂ ਕਰ ਕੇ ਰਾਹੀਂ ਰਹੀ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ  
ਨੂੰ ਕਿਸ਼ਾਂਕਾ ਵਿਚਿਆਂ

१५.७.२३ बाबू अमोल प. कुमार  
भाष्यकार वासिनीविद्यालय में८२  
वार्षिक वस्त्रादेश आणि वस्त्रामा  
आवी रही, हास्पिटवाना  
नूरामार्ग प. उच्चप्रशिक्षण  
वार्षिक सेमेंट आवी, दी.कू. ना  
प्रेसेन्टेनी हीम राजा एक्सेल्लर  
प्रॉफेसिण, इंडियनोन्यु  
वर्सिटीज इंडियनोन्यु  
वर्सिटीज इंडियनोन्यु

करेते तेपु होतीनी समझ आपकामा  
आवी रही। प्रतिवार द्वारा कलन  
विकासी लक्षण अज्ञानी मनु  
पाल पाल अन्न लोकोंना तेव जबूति  
दाखला भावावा गिराय विकासी  
आवी रहा। अन्नामा लीव,  
पाल तेपु शोकिनामु इन  
आपकामा आवी रहा, अन्नामा  
पाल अंगेया द्वारा बाट घाट  
अप्पामान नी जाई रात चीमिट्टू  
नेवा, डैरामाट नी

विनामी उपस्थितीना याहुहनो  
प्रतिक्षय वाप प्रत्यभ्यं अभी कीं  
उपस्थिताना ते गोदाल बृहित्तेऽ  
मे अल्ली उपस्थिताना मानवान्  
तपश्च दृष्टेभ्यं अभी प्रतिक्षय  
वाप प्रत्यभ्यं अभी कीं.  
उपस्थिताना दारा रत्न-प्रसाराभ्यं  
तपश्च दृष्टेभ्यं अभी प्रतिक्षय  
उपस्थिताना आवायूषं तपश्च दृष्टेभ्यं  
तपश्च दृष्टेभ्यं अभी प्रतिक्षय  
तपश्च दृष्टेभ्यं अभी प्रतिक्षय  
तपश्च दृष्टेभ्यं अभी प्रतिक्षय

અંગદાનની પ્રક્રિયા પૂર્ણ કરાઈ હતી સા�ે આ મહત્વનો નિર્ણય લેવા બદલ પરિવારજનોને બિરદાવવામાં આવ્યા હતા

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



સુરતમાં જ્યેશ પ્રજાપતિ તથા સતીષ પટેલના અંગદાનથી ૧૦ વ્યક્તિને નવજીવન અને રોગીની મળી છે.

## ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી એક ૭ દિવસમાં બે અંગદાન પ્રજાપતિ સમાજના યુવાન, લઉવા પટેલ સમાજના પ્રૌઢના અંગદાનથી ૧૦ વ્યક્તિને નવજીવન

(પ્રતિનિધિ દાશ)

સુરત ગુરુવાર

પ્રજાપતિ સમાજના ૪૨ વર્ષીય યુવાનના અને લઉવા પટેલ સમાજના ૫૮ વર્ષીય પ્રૌઢના પ્રેર્ણિન્ડેડ વથા બાદ અંગોદાન

કરી ૧૦ વ્યક્તિઓને નવજીવન બહી માનવતાની મહેક કેલાવી સમાજને નવી દિશા બાતવી છે.

### **માંડવીના જ્યેશભાઈના ફેફસા, કિડની, લીવર અને ચક્ષુ અને અમરોલીના સતીષભાઈના લિવર, કિડની અને ચક્ષુ દાન કર્યું**

માંડવીના જ્યેશ માતાના મંદિર પાસે પરિવારના સંઘ્યોને અંગદાનનું મહત્વ મોટા કુંભરવાઈનાં રહેતા હું વર્ષીય સમજાયું હતું. જેઠી તેમના ફેફસા, લિવર, જ્યેશભાઈ ટાકોરભાઈ પ્રજાપતિને જત તા. ૨૧મી જિત્ર સાથે સાગભારામાં ડેવમોગા માતાના મંદિરે દર્શન કરવા ગયા હતા. ભાતમાં નજીકમાં ગુંડાંના તેણો જમવા માટે ગયા હતા. ત્યા જ્યેશભાઈનો પગ લખતી જતા ૧૦૩૦૧૧૨ હું ઉપરથી નીચે પટકતા હુંજી થતા તેવીયાપણ બાદ અંકલેખદાન હોસ્પિટલમાં દાખા કર્યું હતા. જ્યા તેમનું સ્ત્રી સેન કરાવતા પ્રેર્ણિન્ડેડ હેમરેજ હોપનું નિદાન થયું હતું. બાદ જત તા. ૨૨મીઓં ન્યુરોસેન્ઝન સહિતના ટેક્ટસની ટીમે જ્યેશભાઈને પ્રેર્ણિન્ડેડ જાહેર કર્યી હતા. આ અંગે ડોનેટ લાઈફની ટીમે જ્યા થતા હોસ્પિટલ પહોંચી તેમના

પરિવારના સંઘ્યોને અંગદાનનું મહત્વ પરિવારના સંઘ્યોને અંગદાન મંગે સમજાયું હતું. જેણા લીવર તેમનું લિવર, કિડની અને ચક્ષુ દાન સ્વીકાર્યું હતું. જ્યારે ગુજરાતમાં ફેફસાના ટ્રાન્સપલાન્ટ માટે શેરી ન હોવાથી ફેફસા ડેરાજાની હોસ્પિટલમાં ફાળવાના આવ્યા હતા. દાનમાં મળેલા બે લિવર માંથી એક લિવર અમદાવાદમાં રહેતા હું વર્ષીય મહિલામાં અને બીજુ લિવર જુનાગઢના કેસેદ ખાતે રહેતા પર વર્ષીય વ્યક્તિનું ટ્રાન્સપલાન્ટ કર્યું તથા દાનમાં મળેલી ચાર કિડનીમાંથી બે જ્યુરીયાતમંદ દાનીમાં અમદાવાની હોસ્પિટલમાં, એક કિડની પરોદરાની હોસ્પિટલ ટ્રાન્સપલાન્ટ કરવામાં આવશે. જ્યારે એક કિડની બારાં હશી ગઈ હતી.

"જીતે જી રક્ટદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

**સુરત અને ભર્યામાંથી બે વ્યક્તિનાં અંગદાન થકી ૧૦ને નવજીવન**

कागदीय अने तेमनी शीर्ष, भीषण विषय अने कुप्रविलुप्त दृश्य लोकसंग आने तेमनी शीर्ष नाही. याचा जो रुपी मोहरांचा अने तेमनी शीर्ष नाही. याचा जो रुपी

तुला, १०.२३  
प्रेमट लाई दिला अक्ष उ दिवस बे  
मंगदण अंकेवरनां श्रीमानी जगापाने मोटी  
लोकिकास अने लोकाना तिरपां लोकिकासी  
इरवाचामां आवां. झेणे अरवे १०  
अजिकाने नवु कुडा माया दहुं, प्रेमट लाई  
दिला फेकाळा दाना १८० वृष्टा दिली अरवाचे  
अमरावारु १०००० वृष्टा अंगेनु दिला  
इरवाचामां आवां.

प्राप्तपूर्वी समाजाना बोट्टनेके योग्यता का दोषारम्भक प्राप्तपूर्वी के काला, विष, इन्सुलिन अने बयुसों से भैरव वीरवा पटेक समाजाना बोट्टनेके सरीया गोवीन्दारी पक्षका विवरण इन्हीं, अने बयुसोंरुप धूप प्रोटो लाइकोना विवरण आयथामी की १० व्यक्तिशम्बो नवदार्शक अभी मानवानी महोड़ एवं वापी समाजाने नवी दिशा बनावी।

અંકડેનેની જાળને મોહી લોલિટલીની  
શેરી માટે મુલ એપોર્ટ અને સુતન એવાં કરીની  
બધાં માણે હેડલાન્ડ સુપીરિયર છે કીમીની  
સરની ૨૦૦ મિનિટાની વિનાની કોઈ કાઢાનું  
દ્રાગાનાં અથવા રાજ્યાની રાજકુલાનીની રહેવાની  
તરીકી પરિસ્થિતિઓ હેડલાન્ડની વિના  
લોલિટલીની કરવાની અન્ય. સુતન સાથે  
લોલિટલીની તેમની મુજબ કિલાનાં પોંચીની  
ગીન્નોંડીને વનાની આ કાગ બનું છું.

માંડવીના મોટા કુભારપણ ખુટાઈ માતાના  
મહિદ પાસે રહેતો જ્યુદ્ધ લાનબાયામાં અધેવલ



पंचांग आमे रही सतीरामाई।  
तदस्त्रीधृष्णु पूर्व मासा, पूरी उपवास  
क्षमात्रि मिथि अन पवित्रामा अन्य लक्षण  
अंजनामानी अंजनामानु मात्राव अने स  
प्रतीया लक्षणाई।  
सतीरामाईना पवित्रावाही  
अंजनामानी संभास अपी ठारी,  
पवित्रावाही नवङ्की अंजनामानी संभ  
मात्रा विवर अंजनामानी ग्रापत वल्लिं  
अने मुख्यामा उपवास लक्षणाने काश  
विवर अंजनामानी अंजनामानी अंजनामानी  
इंडिनी अंजनामानी अंजनामानी अंजनामानी  
अंजनामानी आप्पा अंजनामानी अंजनामानी  
शक्तिवाला अभी.

સુરત અને અંકલેશ્વરથી ફેફસા, લિવર, કિડની અને  
ચક્કાઓના દાનથી 10 લોકોને નવું જીવન મળ્યું

242

શુરતાની પેનેટ લાઈફ કાર્ય  
મેડ જ દિવસે બે અંગધાન  
અંકડેશનની શીમતી જ્યાબેન  
મોટી હોલિન્વિચ અને સુરતાની  
દિવસ ડોસિલાથી કરાવવાની  
આવ્યાં હતા. એને કાર્યે ૧૦  
અડિટનોને નવું છબ્બ મળ્યું  
કે પ્રાણપત્ર સમાજના લેટિન્નેનું  
જ્યેથી કાશોરાખી પ્રાણપત્ર ૩.૭  
૪૨ના પરિવારે જ્યેશ્વરાઈના  
કેકસા, વિષવર, ડિઝી અને  
ચુક્કાઓને તેમજ લેટિન્ પટેલ  
સમાજની પેનેન ૧૫ સત્તિપથાઈના  
લોગીલાલ પટેલ ૬.૭ કનાન  
પરિવારે સત્તિપથાઈના વિષવર,  
ડિઝી, અને ચુક્કાઓનું દાન  
પેનેટ લાઈફના માધ્યમથી દી  
૧૦ અડિટનોને નવછન  
લખી માનવતાની મહંક કલાવીની  
સમાજને નવી દિવા લાલાની છે.  
તો અંકડેશનની જ્યાબેન મોટી  
હોલિન્વિચી રોડ મારી સુરત  
એરપોર્ટ અને સુરત એરપોર્ટની  
કાર્યાલાય મારી કાર્યાલાય સુધીનું  
૧૯૮૬ ડિઝીનું અંતર ૨૦૦



મનીતાં કર્પીને કેવાનું ટ્રાન્સલાઇન જ્યાપુર રાજ્યાનની રહેવાથી 34 વર્ષથી મહિલામાં હેઠળાની કિંદી હોલ્ડિંગમાં કરવામાં આવ્ય. ટેકાર્ટલ અને ડાયમન્ડ સીરી તરીકે એણોપણું સુધી શહેર કંઈ દેખાયાં એણનું ગ્રાન્ડ ચાર્ટર તરીકે પ્રયારી પામી રહ્યું છે. તારે મોટા કુલાયાદ પૂર્ણ માત્રાના મેરી પાંચ મંડળીઓ રહેતો હોય કર્પી મંડળીમાં દેવી વાહનના મેરેનીક તરીકે કર્પી કર્યો હતો. તાં 21 માર્ચના રોજ જ્યેશ તેના મિત્રો સાથે તા. સાગરાબાસમાં આવેલ દેવોગરા માતાના મંદિરે દર્શાવણ માટે જગ્યો હતો. દર્શાવણ ક્રાંતિ આદ જ્યેશ તેના મિત્રોને સાથે મેરી રૂપે આવેલ જુંગામાં જમવા માટે જગ્યો હતો. જ્યેશને લઘુસંકા લાગતાં તે જુંગાના પાછળાના બાજે ખુલ્લી જગ્યામાં જગ્યો હતો. તાં અક્ષમાત્ર પણ લપસી જતાં તે 10/12 કૂટ નિર્મિત પીડી જ્યારી માયાના જાગે ગનીબી જીથોએ વથથી બેનાન વથી જગ્યો હતો. તની જીથા લ્યાન ક્રોઈ સ્થાનીક રદ્દીને તેના મિત્રોને કરતા, તેનોએ સ્થળ પર જઈ જોઈ નું તો જ્યેશ નીચે પડેલો હતો.

卷之三

"जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## અંકલેશ્વરની જ્યાબેન મોદી હોસ્પિટલમાં બ્રેઇન ડેડ થયેલા વ્યક્તિનું અંગદાન કરાયું

ધ્રુવકાર પ્રતિનિધિ, અંકલેશ્વર, તા. ૨૩

અંગદાન એ સૌથી મોટું છન્નદાન છે. સુરત હિલ્સના માંડળીના મોટા કુલાચાડ ખુટાઈ માત્રામાં મંહીર પાસે રહેતા જ્યેશ્વરાઈ માત્રાપત્રિ (ઉ. વ. ૪૨) ગેરેજ ચલાવતા હતા. તેણો દેવમોગરા માતાજીના દર્શન માટે ગયા હતા ત્યાં હું રંગથી અચ્યાનક પરી જ્યા તેમને માથાળા મંડરના ભાગે ગંભીર હંચા થઈ હતી. તેમને સારવાર માટે ડેવમોગરા સીએચ્સી સેન્ટર પર અને ત્યાંથી ડોક્ટરોની સાલાહ મુજબ ગંભીર પરિસ્થિતિના જ્યાબેન મોદી હોસ્પિટલના ઠેમજિઝની વિલાયમાં લાવયામાં આવ્યા હતા. જ્યાં ડોક્ટરોને તેમને બ્રેઇન ડેડ જોઈ હતું.

૨. માર્ગ બપોરે આ અંગે હોસ્પિટલ દ્વારા ડોનેટ લાઈફ સંસ્કારને આશી કરવામાં આવતા ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ ખેડોંબી જ્યેશ્વરા લાઈ રસ્કાલાઈ, કાડા ભગવંતલાઈ, માસા રમેશભાઈ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા અને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા પરિવારે અંગદાનની સંમતિ આપ્યી હતી. દેવમોગરા દર્શન માટે ગયેલ માંડળીનો યુવક કુંગર પરથી પડી જતા હેમરેજ થઈ ગયું હતું : ડોનેટ લાઈફની મદદથી યુવકના અંગોનું દાન કરાયું



હતી. આ અંગદાનમાં લીવર, કિડની, લંગ્સ તેમજ કોરનિયાનું દાન આપવામાં આવેલું છે. અંગદાન બાદ અંગેના દ્વારા બાબત માટે અમદાવાદની જાઈસ હોસ્પિટલ તેમજ હેંડરાબાદની કે આઈ એમ એસ હોસ્પિટલની ટીમ અહીં ઉત્સુકત રહી હતી. આ નવીનતામ ઘટાને હોસ્પિટલના કે.મેડિકલ સ્પ્રાઈન્જેન્ટ ક્રેટર આન્ની તુલીવાળાના માર્ગદર્શન તેમજ દેખાયેલમાં હાથ પરવામાં આવી હતી. હોસ્પિટલ દ્વારા સ્વ. જ્યેશ્વરાઈ પટેલને ભાવપૂર્વ શરૂઆતી આપી હતી.

## ૫૬ વર્ષીય સતીષ પટેલની બાઈક સ્લીપ થતાં અકસ્માત થયો હતો અમરોલીના આધેડ બ્રેઇનડેડ થતાં લિવર, ફેફસાં, કિડની દાન કરાયા

દેખ રિપોર્ટ | સુરત : અમરોલી છાપચાલા વિસ્તારમાં રહેતા ૫૬ વર્ષીય આધેડનું કનારગામ પાતે અકસ્માત થયું હતું. જેમાં તેમને હોસ્પિટલ બસેડાતા બ્રેઇન ડેડ જોઈ રહેતું હતા. આધેડના પરિવારે માનવતા મહેકાવી આવેડના અંગોનું દાન કર્યું હતું. જેમાં આવેડની પેડી એક કિડની અને કિડનીનું સુરતનાં અને બીજી અમદાવાદમાં અને ફેફસાંનું હેંડરાબાદ દાન કરાયું છે.

### ફેફસાં હૈંડરાબાદ અને એક કિડની અમદાવાદ મોકલાઈ

અમરોલી વિસ્તારમાં રહેતા આવેડનું માર્ગ અકસ્માત થય્યા હાથ ડોનેટરોની બેંકર કર્યું હતા. તેમના પરિવારની સંમતિ આ ફેફસાં, લીવર, અને ચુકુણેનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

અશ્વરામાં કોમ્પ્લેક્સ, છાપચાલાદા રોડ અભરોલીમાં રહેતા સતીપભાઈ બ્રોડીલાલા પટેલ (૦.૨.૫૬)નું ગજેટ સર્વિસ જ્યાંશેરમ ખયા પાત્ર અકસ્માતે મોટરસાયકલ સર્વીસ થતા તેમને તાકાલિક સારવાર માટે દેવમોગરા વર્લ્ડ ક્રાફ્ટ કરવાયા હતા. જ્યાં તેણેને બેન હેમેટેજ લીવાન કોક્ટિલોને કર્યું હતું. એક ડોક્ટરોને દ્વિષસી સારવાર પાત્ર હેંડરાબાદે સતીપભાઈને બ્રેઇનડેડ જોઈ નવુંજીવન આપવા આપ આગળ કરાયા હતા. આ સાથે જે તેમના પરિવારને અંગદાનની પણ મહિની

અત્યાર સુધી દ.ગુ.માંથી ૧૧૦૧ અંગોનું દાન

અત્યાર સુધીમાં સુરત અને દ્વારા ગુજરાતમાંથી રેનેટ લાઈફ દાન કુલ ૧૧૦૧ અંગોને અને ટીલ્સાનોનું દાન કર્યા વાગ્યાં આવ્યું છે જેમાં ૫૫૩ કિડની, ૧૯૬ લિવર, ૪ પેન્સિલેસ, ૪૫ ક્રાફ્ટ, ૩૨ ફેફસાં, ૪ હાથ અને ૩૫૪ ચુકુણેનું દાન થાયે હતું. એવાં અને વિશેના કુલ ૧૦૧૦ બ્યક્ટિઓને નવું જીવન અને નવી નદી બન્યાવાં સાથેની માર્ગી હતી.

સ્વાઈં હતી. સતીપભાઈના પુત્ર જેમાં બને કિડની પેડી એક મોના અને પુત્રી ઉપાકાનાને સુરતની ડિક્શન હોસ્પિટલ અને અમદાવાદી જાયસ ખોલાનું હતી. ડાયાલીસિસની હોસ્પિટલમાં દ્રાન્સાલાન્ડ કરાઈ પીડી અને સારી વીત સમજાને હતી. જ્યારે ફેફસાંનું દાન હોર્ન્સ્ટ્રેન્ડ કિડની પ્રેસ્સ હોસ્પિટલમાં લાયાન કોક્ટિલોને કર્યું હતું. આ ઉત્સુકત એક લીવરને અમદાવાની હોસ્પિટલમાં દાખલ દર્દીમાં ટ્રાન્સપલાન કરાયા હતા. જ્યારે બીજી લીવર સુરતની ડિક્શન હોસ્પિટલમાં દ્રાન્સાલાન્ડ કરાયું હતું.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હટયાના... "



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## અંકલેશ્વરની શ્રીમતી જ્યાબેન મોદી હોસ્પિટલમાંથી બ્રેઇન ડેડ થયેલા વ્યક્તિનું અંગાદાન કરાયું

(સિટીટુડે) અંકલેશ્વર, તા. ૨૩ પર લઈ જવામાં આવ્યા ત્યાંથી અંગાદાન એ સૌથી મોટું છુનનાન છે. સુરત જિલ્લાના માંડવી ગામના રહેવાસી સ્વ. જ્યેશભાઈ પ્રજાપતિ જેની ઉંમર ૪૨ વર્ષ છે અને પોતે પિકેનિક ગેરેજ ચલાવતી હતી. તેમનું જ્યાબેન મોદી હોસ્પિટલમાંથી અંગાદાન કરાયું.

તેઓ પોતે દેવમોગરા માતાજીના દર્શન માટે ગયા હતા ત્યાં કુગર ઉપરથી અચાનક પરી જાતા તેમને માથાના અંદરના ભાગે ગંભીર હિંદ્રા થઈ હતી તેમણે તરત જ ડેરીપાડાના સીએચ્સી સેન્ટર

ડોક્ટરની સવામી મુજબ ગંભીર પરિવિધિના જ્યાબેન મોદી કોણેપણ કાઢી નથી. ઈમરજન્સી વિભાગમાં



બીજા ગંધારી ચાર લોકોનું લોકોને નંતું છુનનાન આપી શકે છે. આ અંગાદાનમાં લીવર, કિડની, લંગસ તેમજ કોર્નિયાનું દાન આપવામાં આવેલું છે. અંગાદાન બાદ લાવવામાં આવ્યા હતા. ડોક્ટર દ્વારા તપાસ કરતા ખબર પડી કે તેઓનું બ્રેઇનડેડ થયેલું છે.

૨૨ માર્ચ ખાંપેરે ૧:૦૦ કલાકે આ આજ થતા હોસ્પિટલ દ્વારા ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાને જ્યાં કરવામાં આવી હતી. અંગાદાન

અંગોના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે અમદાવાદની આઈડ્સ હોસ્પિટલ તેમજ હેદરાબાદની કે આઈ એમ એસ હોસ્પિટલ ની ટીમ અહીં ઉપસ્થિત રહી હતી. હોસ્પિટલ દ્વારા સ્વ. જ્યેશભાઈ પટેલને ભાવપૂર્વ શ્રદ્ધાળું આપી હતી.

## સુરતમાં એક જ દિવસે બે બ્રેઇનડેડ દર્દીના અંગાદાનથી ૧૦ને નવજીવન

### લીવર, કિડની, ફેફસા સહિતના અંગાદાન માટે ડોનેટ લાઈફની સમજાવટ બાદ પરિવારજનોએ આપેલી સંમતિ

સુરત, તા. ૨૩: સુરતમાં ડોનેટ લાઈફ દ્વારા એક જ દિવસે બે અંગાદાન યોગી ૧૦ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. પ્રજાપતિ સમાજના બ્રેઇનડેડ જ્યેશ કારોબાઈ પ્રજાપતિ ઉ ૪૨ના પરિવારે જ્યેશભાઈના ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચુકુઓ તેમજ લેંજા પટેલ સમાજના બ્રેઇન ડેસ્ટિનેશન ભોગીલાલ પટેલ ઉ. ૫૬ના પરિવારે સતીખાઈના લિવર, કિડની અને ચુકુઓનું દાન ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી કરી ૧૦ વ્યક્તિઓને નવજીવન પ્રાપ્ત થયું છે.

સુરત માર્ગી મુડામે રહેતા જ્યેશ સાથે અક્ષમત થતા બ્રેઇન ડેમરેજ હોયાનું નિદાન થયું હતું. ડોનેટ લાઈફની ટીમે જ્યેશના પરિવારને અંગાદાનનું મહત્વ સમજાવતા તેઓ તેથાર થયા હતા. બીજા બનાવવાનું શહેરના છાપરાભાડા વિસ્તારમાં રહેતા અને ઝારગામ જાનાઈવેસીમાં

વશાટ ભાતામાં સુપરવાઈઝર તરીકે ૬૨૪ બજાવતા સતીખાઈ મોટરસાયકલ પર જઈ રહ્યા હતાં ત્યારે અક્ષમતા મોટરસાયકલ સ્વીપ થઈ જતા બેભાન થઈ ગયા હતાં.

તેમને ડોક્ટરે બ્રેઇનડેડ જાહેર કરતા ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી પરિવારના સભ્યોને અંગાદાનનું મહત્વ અને સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવતા તેમણે સહમતી દર્શાવી હતી. બંને પરિવારજનોએ તરકથી અંગાદાનની સંમતિ મળતા લિવર, કિડની, ફેફસા સહિતના અંગોનું દાન કરાયું હતું. આ દરમયાન અંકલેશ્વરની જ્યાબેન મોદી હોસ્પિટલથી ચોડ માર્ગે સુરત મેરપોર્ટરી હવાઈ માર્ગે હેદરાબાદ સુધીનું ૬૮૬ કિમીનું અંતર ૨૦૦ મિનિટાં કાપીને ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જ્યપુર રાજ્યાનની રહેવાસી ઉઘ વર્ષીય મહિલામાં હેદરાબાદની ડિમ્સ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું.

"જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયાનાં..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## સુરત જિલ્લાના માંડવીના યુવાનના કેફસાથી હવે જ્યપુરની મહિલા શાસ લેશે

અમદાબાદ અમરોલી

રોડ ઉપર રહેતા

સતીપથમાં પટેલના

અંગોળું પણ દાન કરાયું

**સુરત :** પ્રોનેટ લાઈફ હૃદય એક જ દિવસે બે અંગદાન અંકલેખરની શ્રીમતી જ્યાબેન મોદી હોસ્પિટલથી રોડ માર્ગ સુરત એરપોર્ટ અને સુરત એરપોર્ટથી હવાઈ માર્ગ એટરાબાદ સુરીનું દાદ કિંમતું અંતર સાથ જાં કલાકમાં આપિને કેફસાનું દ્રાસાપલાન જ્યપુર રાજસ્વાનની હોસ્પિટલથી તરીકે વધીય મહિલાની એટરાબાદી કિંમત હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવી. જેને પ્રારંભે ૧૦ વ્યક્તિઓને નવું જ્યાન મળ્યું હતું.

પ્રાણપતિ સમાજના ૪૨ વર્ષીય પ્રેરિન્ડેડ જ્યેથા કારોરબાઈ પ્રાણપતિ ના પરિવારે જ્યેશેનાઈના ડેન્સ, લિવર, કિડની અને ચયુઝો તેમજ લેન્દું પટેલ સમાજના ૫૬ વર્ષીય પ્રેરિન્ડેડ સ્પોર્ટસમાં બોગિલાલ પટેલના પરિવારે તેમના લિવર, કિડની, અને ચયુઝોનું દાન પ્રોનેટ લાઈફના માધ્યમથી કરી ૧૦ વ્યક્તિઓને નવજ્ઞાન બાબી માનવતાની મંડલ

પ્રસરાની સમાજને નવી રાહ ચીરી છી.

અંકલેખરની શ્રીમતી જ્યાબેન મોદી હોસ્પિટલથી રોડ માર્ગ સુરત એરપોર્ટ અને સુરત એરપોર્ટથી હવાઈ માર્ગ એટરાબાદ સુરીનું દાદ કિંમતું અંતર સાથ જાં કલાકમાં આપિને કેફસાનું દ્રાસાપલાન જ્યપુર રાજસ્વાનની હોસ્પિટલથી તરીકે વધીય મહિલાની એટરાબાદી કિંમત હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું.

માંડવીના મોટા કુંભારવાડ યુદ્ધાં માતાના મંદીર પાસે રહેતો જ્યેથા પ્રાણપતિ માંડવીના હેવી વાહનનાં પ્રેરિન્ડેડ તરીકે કાર્ય કરતો હતો. ગઈ તારીખ ૨૧ માર્ચના રોજ તે તેના મિત્રો સાથે દેવમોગરા દર્શન કરવા માટે ગયો હતો. ત્યાં લપસી જ્યાના કર્યે તેના માયામાં જંબીર ઈજા થતા તેને અંકલેખરમાં આપેલી શ્રીમતી જ્યાબેન મોદી હોસ્પિટલમાં CT સ્લેન કરાવતાં બેઈન હેમરેજ હોવાનું નિર્ધાર થયું હતું. તેમાં પરિવારજીને પણ ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી તેમના અંગોળું દાન કર્યું હતું.

એટું તેને ક્રોનિક જ્યેથાં કરી ત્યાં ત૊બોબોને રોનેટ વાઈફિનો સર્પાઈ કરતું તેના પરિવારજીને સમજાવવામાં આવતા તેઓ અંગદાન માટે તેમાર બઈ ગયા હતાં. જ્યારે બી-૨, ૧૦૪ અશરધામ હોમ્પલેન્સ, અમદાબાદ રોડ અમરોલી મુકામે રહેતા અને કારાગામ જ્યારીદીરીમાં વધાટ બાતામાં સુપરયાન્ડર તરીકે ફરજ બાબતા સતીપભાઈ ર૧ માર્ચના રોજ બોરે ૧૩૦ કલાકે મોટરસાયકલ પર જમવા માટે બેઠે જઈ રહ્યા હતાં તારે ગજેરા સર્કિલ જ્યારામ ખમણ પાસે અકસ્માતે મોટરસાયકલ સ્લીપ બઈ જતા, તેઓ મોટરસાયકલ પરથી નીચે પડી ગયા હતું. અને માયામાં ગંભીર ઈજાનો થવાથી બેભાન થઈ ગયા હતું. ડિસા હોસ્પિટલમાં CT સ્લેન કરાવતાં બેઈન હેમરેજ હોવાનું નિર્ધાર થયું હતું. તેમાં પરિવારજીને પણ ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી તેમના અંગોળું દાન કર્યું હતું.

## માંડવીએ સુરતના બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિના અંગદાનથી ૧૦ જિંદગીઓ નવપદ્ધારિત

। સુરત ।

પ્રાણપતિ સમાજના માંડવીના બેઈનડેડ યુવક અને લેન્ડું પટેલ સમાજના સુરતના આધેના કેફસા, લિવર, કિડની અને ચયુઝોનું દાન કરી પરિવારના સભ્યોએ સમાજને અંગદાનનું મહાત્મ સમજાવાનું ઉત્તમ ઉદાહરણ પૂરું પાડ્યું છે. બેઈનડેડ યુવક અને આધેના અંગદાનથી ૧૦ લોકોના અંધકારમય જીવનમાં નવી રોશની આવી છે.

માંડવીના મોટા કુંભારવાડમાં રહેતા જ્યેથેભાઈ કારોરબાઈ પ્રાણપતિ (ઉ.વ. ૪૨) મોટા વાહનોના મિકેનિક હતા. ગત તા. ૨૧મીએ તેઓ મિત્રો સાથે સાગભારમાં આવેલ દેવમોગરા માતાના મંદિરે દર્શનાર્થ ગયા હતા.

જ્યાન અને જીવનની માધ્યમથી જ્યેથેભાઈના પરિવારે તેમના કેફસા, લિવર, કિડની અને ચયુઝોનું દાન કર્યું હતું. જ્યારે બીજા બાળવાનું અમરોલી, અમદાબાદ સ્થિત અશરધામ

ક્રોમલોકસમાં રહેતા સતીપભાઈ ભોગીલાલ પટેલ (ઉ.વ. ૫૬) કારાગામ જ્યારીદીરી ખાતે વધાટ ખાતામાં નોકરી કરતા હતા. ગત તા. ૨૧મીએ બોરે તેઓ બાઈક પર થરે જમવા જઈ રહ્યા હતા ત્યારે ગજેરા સર્કિલ નજીક તેમની બાઈક સ્લીપ થતા માયામાં ગંભીર ઈજા થઈ હતી. ત્યારબાદ તેમને ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. તથીઓએ સીટીસ્કેન સહિતના રિપોર્ટ કરાવતા સતીપભાઈને બેઈન હેમરેજ થયાનું નિર્ધાર થયું હતું. બીજા દિવસે તથીઓએ તેમને બેઈનડેડ ઘોષિત કરતા પરિવારે ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી તેમના લિવર, કિડની અને ચયુઝોનું દાન કર્યું હતું.

" જીતે જી રસ્તાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન... "



# બ્રેઇન ડેડ યુવાનના અંગદાનથી ચાર દર્દીઓને નવજીવન મળ્યું

(એજન્સી) સુરત,

અંગદાનએ સૌથી મોટું જીવનદાન કહેવાય છે. અક્સમાતની એક ઘટનામાં ગંભીરરીતે ઈજાગ્રસ્ત થયેલા માંડવી ગામના જ્યેશ પ્રજાપતિ બ્રેઇન ડેડ થયા બાદ પરિવારે તેમના અંગદાન થકી અન્ય લોકોને જીવનદાન આપવાનો મહત્વનો નિર્ણય લીધો હતો. જ્યેશ પ્રજાપતિના અંગદાનમાં લીવર, કિડની, લંસ તેમજ કોર્નિયાનું દાન આપવામાં આવ્યું હતું. અંગદાન બાદ અંગોના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે અમદાવાદ ની ઝાઈડસ હોસ્પિટલ તેમહ હેદ્રાબાદ ની કે.આઈ.એમ.એસ. હોસ્પિટલની ટીમની ઉપસ્થિતીમાં મહાદાનની પ્રક્રિયા હાથ ધરવામાં આવી હતી. અંકલેશ્વરની ખાનગી હોસ્પિટલમાં આખી પ્રક્રિયા હાથ ધરાઈ હતી. હોસ્પિટલ દ્વારા સ્વ. જ્યેશભાઈ પટેલને ભાવપૂર્ણ શ્રદ્ધાંજલિ આપી અંગદાનની પ્રક્રિયા પૂર્ણ કરાઈ હતી સાથે આ મહત્વનો નિર્ણય લેવા બદલ પરિવારજનોને બિરદાવવામાં આવ્યા હતા.

સુરત જિલ્લાના માંડવી ગામ ના રેહવાસી જ્યેશભાઈ પ્રજાપતિ જેમની ઉંમર ૪૨ વર્ષ છે અને પોતે મિકેનિક

ગેરેજ ચલાવતા હતા. જ્યેશ પ્રજાપતિનું અંકલેશ્વરની ખાનગી હોસ્પિટલમાંથી અંગદાન કરાયું છે. જ્યેશભાઈ તાજેતરમાં દેવમોગરા માતાજીનાં દર્શન માટે ગયા હતા. અહીં દુંગર ઉપરથી પડી જતાં તેમના માથાના ભાગે ગંભીર ઈજાઓ પહોંચી હતી. હોસ્પિટલના ન્યૂરોસર્જન ડૉ. જ્યપાલસિંહ ગોહિલ તેમજ આઈ.સી.યુ ના ડોક્ટરોની ટીમ દ્વારા જ્યેશભાઈ પ્રજાપતિના કુટુંબીજનોનું કાઉન્સિલિંગ કરી અંગદાન માટે તૈયાર કરવામાં આવ્યા હતા. આ વ્યક્તિના અંગદાન બીજા ત્રણ થી ચાર લોકોને નવું જીવન પ્રદાન કરી શકે તેમ હોવાની સમજ આપવામાં આવી હતી. પરિવારે હકીકતને સ્વીકારી જ્યેશ પ્રજાપતિના મૃત્યુ બાદ પણ અન્ય લોકોમાં તેને જીવિત રાખવા મહત્વનો નિર્ણય લેવામાં આવ્યો હતો. અંગદાનમાં લીવર, કિડની, લંસ તેમજ કોર્નિયાનું દાન આપવામાં આવ્યું હતું. અંગદાન બાદ અંગોના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે અમદાવાદ ની ઝાઈડસ હોસ્પિટલ તેમહ હેદ્રાબાદ ની કે.આઈ.એમ.એસ. હોસ્પિટલની ટીમની ઉપસ્થિતીમાં મહાદાનની પ્રક્રિયા હાથ ધરવામાં આવી હતી.



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## DONATE LIFE

### CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

**DATE: JANUARY, 2006 TO 23TH MARCH, 2023**



**458  
KIDNEY**



**196  
LIVER**



**44  
HEART**



**32  
LUNGS**



**08  
PANCREAS**



**358  
CORNEA**



**04  
HANDS**

**TOTAL 1101 ORGANS & TISSUES DONATED,  
which has given New Life & Vision to 1010 PERSONS  
ACROSS COUNTRY & Globe.**

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."